अध्याय - 14

सूचना प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन की प्रगति

14.1 कोयला मंत्रालय ने सरकारी सूचना एवं सेवाएं ऑनलाईन करने हेतु ई–गवर्नेंस पर बहुत अधिक बल दिया है। एनआईसी के साथ मिलकर कार्य करते हुए समेकित सूचना डिलिवरी हेतु उत्कृष्ट पद्धति अपनाने हेतु ठोस कदम उठाए गए हैं। इससे पारदघ्शता, सेवाओं तक आसानी से पहुंच, आंतरिक प्रघ्या में सुधार तथा निर्णय सहायता प्रघ्या के मामले में बहुत ही लाभ हुआ है।

14.2 मंत्रालय में राष्ट्रीय आसूचना केन्द्र (एनआईसी) द्वारा स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कम्प्यूटर केंद्र प्रचालन में है, जिसमें स्थानीय एवं वैश्विक रूप से कनेक्टिविटी के लिए इन्टरनेट और निकनेट सुविधाएं प्रदान करने के लिए अनुप्रयोगों और डाटाबेस सपोर्ट, इन्टरनेट और नेटवर्क सुविधाएं प्रदान करने की कम्प्यूटर प्रणालियों से युक्त है। एनआईसी कोल सेंटर पिछले दो दशकों में मंत्रालय में महत्वपूर्ण सेवाएं अर्थात तकनीकी आईसीटी परामर्श, साफ्टवेयर विकास, प्रशिक्षण और कार्यान्वयन, वेब सेवाएं नेटवघ्कग, इन्टरनेट तथा ईमेल और डाटाबेस प्रबंधन प्रदान कर रहा है ।

14.3 मंत्रालय ने सभी अधिकारियों, वैयघ्कि स्टाफ और अनुभागों को विन्डोज आधारित पर्सनल कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। मंत्रालय में उच्च गति का लोकल एरिया नेटवर्क (लैन) कार्य कर रहा है। सभी कम्प्यूटरों में इन्टरनेट की सुविधा और सर्वर से अनुप्रयोगों की आसान पहुंच के साथ लैन से युक्त हैं। सचिव, कोयला के कार्यालय में एनआईसी की आईपी आधारित ईवीसीएस वीडियो कांफ्रेसिंग सिस्टम की स्थापना की गयी है।

14.4 मंत्रालय की एक सुव्यविस्थत वेबसाइट http://coal.nic.in प्रचालन में है, जिसे एनआईसी द्वारा तैयार, विकसित और प्रस्तुत किया गया है। यह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, संगठनात्मक ढांचे, अधीनस्थ कार्यालयों, नीतियों, वार्षिक रिपोर्टों, प्रकाशनों, अधिनियमों, नियमों अधिसूचनाओं आदि के ब्यौरे प्रदान करती है। **इस वेबसाइट में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005** की सभी महत्वपूर्ण सूचना भी दी गई हैं। इस वेबसाइट पर नवीनतम घोषणाएं, विज्ञापन, कोटेशन, रिपोर्ट, कार्यसूची तथा जांच समिति की बैठकों के कार्यवृत्त प्रस्तुत किए जाते हैं।

वेबसाइट को द्रूपल ओपन सोर्स एन्वायनमेंट में पुनः डिजाइन करने हेतु कदम उठाए गए है। इससे मंत्रालय में एक अंतः घ्यात्मक, यूजर घ्ण्डली फीचर, उच्च निष्पादन आधारित, अधिक सुरक्षित, सीएमएस आधारित वेबसाइट तैयार होगी।

14.5 मंत्रालय ने अपने दिन–प्रतिदिन के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी को कार्यान्वित करने के लिए उपाय किए हैं। कोयला मंत्रालय में एनआईसी की ई–आफिस शुरू की गई है। इस व्यापक पैकेज में ई–नोटिस बोर्ड, अवकाश और यात्रा

प्रबंधन, केएमएस–ज्ञान प्रबंधन प्रणाली आदि कुछ प्रमुख कार्यप्रणालियां शामिल हैं। मंत्रालय के उपयोगकर्ताओं को पैकेज से अवगत होने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। मंत्रालय के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एनआईसी ई–मेल एकाउंट बना दिए गए है।

मंत्रालय में उपयोगकर्त्ता समर्थक रेफरेंस एमआईएस प्रणाली को कार्यान्वित किया गया है। यह प्रणाली मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को वीआईपी, पीएमओ, संसद आश्वासनों एवं मंत्रिमंडल सचिवालय से प्राप्त आवतियों की निगरानी रखने में सहायता करती है । अनुभाग आवतियों को फीडल करते हैं तथा पत्रों को प्रणाली में स्केन करते हैं । इन आवतियों को तब उत्तर प्राप्त करने के लिए कोयला कंपनियों को भेजा जाता है। कोयला कंपनियों को भी इन्टरफेस मुहैया किया गया है ताकि वे एमआईएस आधारित इस वेब में लाग करें। कंपनियां मंत्रालय द्वारा उन्हें भेजी गई आवतियों को देख सकती हैं तथा आनलाइन उत्तर अपडेट कर सकती हैं जिससे दोनों पक्षों से विलंब में कमी की जाती है।

मंत्रालय में संसद प्रश्नों, उत्तरों एवं अनुपूरक टिप्पणियों की सभी प्रकार की खोज करने/ देखने के लिए एक एकल स्थान प्रस्तुत करने हेतु संसद प्रश्नों एवं अनुपूरक एमआईएस कार्यान्वित किया गया है।

मंत्रालय के सभी न्यायिक मामलों के भंडार के रूप में कार्य करने के लिए न्यायिक मामलों की निगरानी प्रणाली एक वेब आधारित प्रणाली है। अनुभाग न्यायिक मामलों के मुख्य ब्यौरे मामले का प्रकार, विषय, स्थिति प्राप्ति की तारीख, अगली सुनवाई की तारीख, याचिकार्कत्ता के ब्यौरे, वकील के ब्यौरे आदि प्राप्त कर सकते हैं। अधिकारी इन मानदण्डों के आधार पर पूछताछ कर सकते हैं तथा उपयोग रिपोर्टें प्राप्त कर सकते हैं। समय के भीतर कार्रवाई करने के लिए प्रणाली आधारित सावधानियां उपयोगी हैं।

ईबिल प्रोसेघ्सग प्रणाली उपयोगकर्घाओं को मंत्रालय में प्रशासन अनुभाग से रोकड़ अनुभाग तथा वेतन और लेखा कार्यालय तक अपने बिलों के विभिन्न स्तरों से गुजरने की खोज करने में सहायता करती है ।

कोयला मंत्रालय के सभी निविदा दस्तावेज सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेण्ट पोर्टल पर प्रकाशित किए जाते हो।

कोयला मंत्रालय की सभी फाइलों एवं दस्तावेजों का डिजिटाईजेशन किया जा रहा है जिससे कोयला मंत्रालय के समूचे आंकड़ों का इलेक्ट्रॉनिक रूपांतरण हो जाएगा।

14.6 मंत्रालय में कोयला मंत्रालय के लिए उपयोगी अनुप्रयोगों से घ्लक वाले एकल घ्वडो की एक इन्ट्रानेट आधारित पोर्टल के माध्यम से विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, सुविधाओं को एकीकृत किया गया है जिसमें ऑन लाईन वेतन पघ्चयों, पदधारी एमआईएस, सामान्य भविष्य निधि के ब्यौरे, आयकर की गणना, कर्मचारियों

की छुट्टियों के ब्यौरे, सामान्य डाउनलोड और कोयला ईपुस्तकालय शामिल है।

14.7 राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंत्रालय में लगे कम्प्यूटरों में द्विभाषी सुविधा प्रदान की गयी है। राजभाषा के उपयोग में वृद्धि करने के लिए विभिन्न अनुप्रयोगों को द्विभाषी इन्टरफेस प्रदान किया जाता है। द्विभाषी फार्म इन्ट्राकोल पर डाले गए हैं ताकि हिंदी में भरे गए फार्म प्रस्तुत किए जा सकें। अनुवाद और संदर्भ के लिए इन्ट्राकोल पर उपयोगी हिंदी लिंक डाले गए हैं।

14.8 कोयला मंत्रालय ने मंत्रालय में एससीसी स्तरीय पदों की स्थिति को मानीटर करने के लिए एसीसी रिक्ति मानीटरिंग प्रणाली को कार्यान्वित किया है। रिक्त पदों की समय पर सूचना देने के लिए वेब आधारित पैकेज में ब्यौरे डाले जा रहे हैं।

14.9 मंत्री कार्यालय में आने वाले पत्रों के संबंध में प्रश्नों का समाधान करने के लिए मंत्री कार्यालय को डिस्पैच एमआईएस और अर्धशासकीय पत्र एमआईएस से सुसज्जित किया गया है।

14.10 कोयला मंत्रालय ने पे–रोल पैकेज– सीओएमपी डीडीओ लागू किया है। वेतन बिल, डीए एरियर, आयकर से जुड़े कार्यकलाप अब इस प्रणाली से समध्थत हैं। मंत्रालय में ई–भुगतान शुरू हो गया है जिससे कि पारदर्शिता, सरल एवं बेहतर भुगतान प्रबंधन सुनिश्चित हुआ है।

एनआईसी ने बजट रिर्पोटिंग एमआईएस विकसित किया है जिससे अनुदान मांगों सहित बजट रिर्पोटों को समय से द्विभाषी रूप में करने में सहायता मिलती है।

14.11 मंत्रालय के लिए आडिट पैराओं को प्रबंधित करने के लिए एमआईएस तैयार किया गया है। यह साफ्टवेयर मंत्रालय में आडिट पैराओं की नवीनतम स्थिति का पता लगाने में सहायक होगा।

14.12 एनआईसी ने कोयला ब्लॉकों एवं कोयला घ्लकेजिज को मॉनीटर करने के लिए एक व्यापक समेकित एमआईएस विकसित करने हेतु एक विस्तृत अध्ययन कराया है। अध्ययन में कोयला ब्लॉकों एवं कोयला लिंकेजिज के पक्षधारियों के बीच कार्य प्रवाह एवं सूचना प्रवाह के विश्लेषण को कवर किया गया है। सभी आवश्यकताओं का आकलन किया गया है तथा प्रणाली अध्ययन रिपोर्ट को मंत्रालय में सफलता पूर्वक प्रस्तुत किया गया है। एक विस्तृत सीबीसीएल प्रणाली डिजाइन एवं विकसित करने हेतु चरणबद्ध तरीके से कदम उठाए जा रहे हैं।

14.13 कोयला मंत्रालय तथा मंत्रालय के अधीन सभी पीएसयू ने एनआईसी के बहुमुखी सीपीजीआरए एमएस साफ्टवेयर को सफलतापूर्वक लागू किया है। इससे लोक शिकायतों की न्यूनतम समय में मॉनीटरिंग करने में एवं उसका समाधान करने में सहायता मिलेगी।

14.14 कोयला मंत्रालय ने नेशनल डाटा शेयरिंग एंड एक्सेसिबिलिटी पॉलिसी (एनडीएसएपी) का अनुपालन करने हेतु कदम उठाया है। इससे मंत्रालय के अधीन शेयर योग्य आंकड़े मशीन

रिडेबल फार्मेट में अनुसंधान प्रयोजनार्थ प्रयोग में लाने हेतु लोगों द्वारा विस्तृत नेटवर्क तक पहुंच सुलभ हो सकेगा।

14.15 कोयला मंत्रालय ने मंत्रालय के अंदर तथा इसके नियंत्रणाधीन संगठनों में आईपीवी 6 लागू करना सुनिश्चित किया है।

14.16 साइबरवर्ल्ड में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। मंत्रालय के सभी वेब आधारित अनुप्रयोगों को द्वेषपूर्ण आमिंणकारियों से सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई आरंभ की गई है। नवीनतम एंटीवायरस सहायता उपलब्ध करायी जाती है। लैन/एंटीवायरस/कम्प्यूटरों से जुड़ी सेवाओं को न्यूनतम डाउनटाइम के साथ उपलब्ध कराने के वास्तविक प्रयास किए जाते हैं।

14.17 कोयला मंत्रालय का एनआईसी कम्प्यूटर केंद्र आईटी के क्षेत्र में नवीनतम विकासों के बारे में उपयोगकर्ताओं को जागरूक रखने के लिए समय–समय पर उपयोगकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है तथा इंट्रा पोर्टल पर संबंधित दिशा–निर्देश को प्रस्तुत करता है।